RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 158
दि. 07.10.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

भारत ने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स में किया कमाल तो पीएम मोदी ने दी बधाई, बोले- हमारे एथलीटों का प्रदर्शन

(जीएनएस)।

भारत ने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स में कमाल का प्रदर्शन किया। भारत ने रिकॉर्ड 22 मेडल जीते। भारतीय एथलीटों को पीएम मोदी ने बधाई दी है। उन्होंने भारत के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताते हुए सोमवार को कहा कि इस प्रतियोगिता में देश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगा। भारत ने छह स्वर्ण, नौ रजत और सात कांस्य सहित रिकॉर्ड 22 पदक जीते जो जापान के कोबे में 2024 में में जीते 17 पदक के उसके पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से बेहतर है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सभी पदक विजेताओं की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए 'एक्स' पर लिखा, "हमारे पैरा एथलीटों का ऐतिहासिक प्रदर्शन! इस साल की विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप बहुत खास रही। भारतीय दल ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें छह स्वर्ण पदक सहित 22 पदक जीते। हमारे एथलीटों को बधाई।" उन्होंने कहा,

"उनकी सफलता कई लोगों को प्रेरित करेगी। मुझे हमारे दल के प्रत्येक सदस्य पर गर्व है और मैं उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।"

यह पहली बार था जब भारत ने इस प्रतिष्ठित पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता की मेजबानी की जिसमें 100 से अधिक देशों के 2,200 से अधिक प्रतिभागियों ने 186 पदक स्पधाओं में भाग लिया। मोदी ने कहा, "दिल्ली में इस टूनार्मेंट की मेजबानी करना भी भारत के लिए सम्मान की बात है। इस टूनार्मेंट का हिस्सा रहे लगभग 100 देशों के एथलीटों और सहयोगी स्टाफ का आभार।"

प्रतियोगिता के आखिरी दिन भारत ने तीन रजत और एक कांस्य पदक जीते। भारत पदक तालिका में दसवें स्थान पर रहा। अगर नवदीप और ऊंची कूद खिलाड़ी प्रदीप कुमार अपनी ख्याति के अनुरूप शीर्ष स्थान हासिल करते तो भारत आसानी से चौथे स्थान पर आ सकता था। पदक तालिका में ब्राजील ने 44 पदकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया इसमें 15 स्वर्ण, 20 रजत, नौ कांस्य शामिल है। चीन 52 पदकों (13 स्वर्ण, 22 रजत, 17 कांस्य) के साथ दूसरे जबकि ईरान 16 पदक (नौ स्वर्ण, दो रजत, पांच कांस्य) के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

काशी में सीएम योगी: सफाईमित्रों पर की पुष्पवर्षा, बोले- जल्द ही अकाउंट में आएंगे 16 से 20 हजार रुपये

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऑर्डर जारी होने वाला है, कुछ ही दिनों के अंदर स्वच्छता कर्मियों के अकाउंट में सीधे 16 से 20 हजार रुपये जाएंगे। कोई उनका शोषण नहीं कर पाएगा। सारी तैयारियां चल रही हैं, पोर्टल तैयार हो रहे हैं। स्वच्छता कर्मियों व स्वच्छता मित्रों को पांच लाख रुपये के आयुष्मान भारत के कार्ड की स्वास्थ्य सुविधा भी उपलब्ध कराने जा रहे हैं। जो सबके स्वास्थ्य की रक्षा करता है, हमारी कोशिश है कि उसके लिए भी सरकार के स्तर पर प्रयास हो।

सीएम योगी सोमवार को सरोजा पैलेस, पिपलानी कटरा में स्वच्छता मित्र सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत उत्कृष्ट योगदान करने वाले स्वच्छता मित्रों का सम्मान और स्वच्छता किट का वितरण किया। सीएम ने सफाईमित्रों पर पुष्पवर्षा भी की। एक बच्ची ने सीएम के साथ

फोटो भी खिंचवाई।

वाल्मीकि जयंती पर रहेगा सार्वजनिक अवकाश

इस दौरान सीएम ने कहा कि सात अक्टूबर को वाल्मीकि जयंती पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा। भगवान वाल्मीकि भारत की ऋषि परंपरा, सनातन धर्म के भाग्य विधाता हैं। वे हम सभी के रोम-रोम और श्वांस-श्वांस में भगवान राम का वास कराने वाले त्रिकालदर्शी ऋषि भी हैं। महर्षि वाल्मीकि दुनिया के पहले सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य को रचने वाले आदिकवि भी हैं। 'जनता कहती है चुनाव के समय दिखाई देते हैं'

सीएम योगी ने कहा कि 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा चला। इस दौरान भाजपा ने अखिल भारतीय स्तर पर अनेक कार्यक्रम किए। इस श्रृंखला में तीन महीने पहले से 75 दिन के इस अभियान को लेकर डॉ. नीलकंठ तिवारी ने इसे प्रारंभ किया और एक-एक मोहल्ले में जाकर स्वच्छता के बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

संक्षिप्त समाचार

सीजेआई पर जूता फेंकने वाले वकील कोपुलिस ने छोड़ा, स्पोर्ट शू भी करना होगा वापस

दिल्ली पुलिस ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट परिसर में एक हैरान कर देने वाली घटना के

बाद 71 साल के वकील राकेश किशोर को तीन घंटे की पूछताछ के बाद जाने दिया। बताया जा रहा है कि राकेश किशोर ने मुख्य न्यायाधीश (CJI) बी.आर. गवई पर कथित तौर पर जूता फेंका था। यह घटना सुबह करीब 11:35 बजे कोर्ट नंबर 1 में कार्यवाही के दौरान हुई।

घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने इस मामले में कोई एफआईआर या कानूनी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया।

राज्य सरकार के चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को दिवाली की सौगात

राज्य सरकार चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को 7000 रुपए की सीमा में देगी बोनस

गांधीनगर, 06 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने आगामी दिवाली के त्योहारों के मद्देनजर चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को 7000 रुपए की सीमा में एडहॉक बोनस देने का निर्णय किया है, ताकि ये कर्मचारी दिवाली के त्योहारों को उत्साहपूर्वक मना सकें।

राज्य सरकार के चतुर्थ श्रेणी के लगभग 16,921 कर्मचारियों को 7000 रुपए की अधिकतम सीमा में देय इस बोनस का लाभ मिलेगा।

राज्य मंत्रिमंडल महकमे और विधानसभा अध्यक्ष, सचेतक और उप सचेतक तथा पंचायत, यूनिवर्सिटी से जुड़े कॉलेजों, ग्रांट इन एड स्कूलों एवं कॉलेजों के कर्मचारियों के अलावा राज्य सरकार के बोर्ड-निगम में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी के ऐसे कर्मचारी, जिन्हें बोर्ड-निगम की ओर से बोनस नहीं दिया जाता, इन सभी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को एडहॉक बोनस का लाभ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के वित्त विभाग को इस संबंध में आवश्यक आदेश जारी करने के निर्देश भी दे दिए हैं।

बिहार चुनाव की तारीखों का ऐलान, 6 और 11 नवंबर को वोटिंग, 14 को नतीजे

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार ने बताया कि बिहार में दो फेज में वोटिंग होगी। वोटिंग का पहला चरण 6 नवंबर और दूसरा चरण 11 नवंबर को होगा। चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। नोटिफिकेशन 10 अक्टूबर को जारी होगा। पहला नामांकन 10 से 17 अक्टूबर को होगा। नाम वापसी 20 अक्टूबर तक। दूसरा नामांकन 13 से 20 अक्टूबर नाम वापसी की तारीख 23 अक्टूबर है। 22 नवंबर को नीतीश कुमार का मौजूदा कार्यकाल खत्म होने वाला है।

चुनाव ऐलान होते ही एनडीए में सुलझा 'पेंच'! चिराग को तोहफा, मांझी-कुशवाहा भी सेट, किसे कितनी सीटें?

(जीएनएस)।

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीखों का ऐलान कर दिया है। राज्य में 6 नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में वोटिंग होगी, जबकि नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। चुनावी तारीखों के ऐलान के साथ ही, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के भीतर सीटों के बंटवारे पर चल रही खींचतान अब अंतिम चरण में पहुंच गई है।

महीनों की चर्चा के बाद, सूत्रों के हवाले से ठऊअ ने एक नया और संतुलित फॉमूर्ला पेश किया है, जिस पर केंद्रीय नेतृत्व ने लगभग सहमति बना ली है। इस फॉमूर्ले में खऊ्र और इखढ ने लगभग बराबरी की हिस्सेदारी ली है, जो गठबंधन की एकजुटता को मजबूत करता है और उसे पूरी ताकत के साथ चुनावी रण में उतरने का रास्ता साफ करता है।

NDA का नया सीट शेयरिंग फॉमूर्ला

प्रस्तावित सीट बंटवारा (कुल 243 सीटें) इस प्रकार है:

जनता दल यूनाइटेड (JDU) 101 सीटें

भारतीय जनता पार्टी (BJP) 100 सीटें

लोक जनशक्ति पार्टी

(रामविलास) LJP(R) 26 सीटें 1 राज्यसभा सीट

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (HAM) 8 सीटें

राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) 8 सीटें

जेडीयू और बीजेपी: बराबरी का संदेश

सीट बंटवारे में JDU को 101 और BJP को 100 सीटें देकर गठबंधन ने यह साफ कर दिया है कि वह 'बड़ा भाई-छोटा भाई' की राजनीति से बाहर निकलकर बराबरी के सिद्धांत पर काम कर रहा है। पिछले चुनावों में दोनों दलों के बीच सीटों को लेकर अक्सर तनातनी रही थी, लेकिन इस बार लगभग समान सीटों पर सहमति बनाकर, एनडीए नेतृत्व ने एकजुटता का मजबूत संदेश देने की कोशिश की है। यह कदम नीतीश कुमार के कद और बीजेपी की राष्ट्रीय रणनीति, दोनों को संतुष्ट करता है।

चिराग पासवान को सम्मानजनक जगह

चिराग पासवान (LJP-R) की लगातार सीटों की मांग को देखते हुए, उन्हें 26 विधानसभा सीटें और साथ ही 1 राज्यसभा सीट देने का प्रस्ताव महत्वपूर्ण है। 2020 के चुनाव में अकेले लड़ने और जेडीयू को नुकसान पहुंचाने के बाद, इस बार चिराग को गठबंधन में इतनी सीटें मिलना उनकी बढ़ती राजनीतिक हैसियत को दशार्ता है। 26 सीटों के साथ एक राज्यसभा सीट का प्रस्ताव चिराग को संतुष्ट करने और उन्हें महागठबंधन की तरफ जाने से रोकने की सफल रणनीति मानी जा रही है।

ऌअट फ्छट रीं३२- हम और आरएलएम का समायोजन

जीतन राम मांझी की ऌअट और उपेंद्र कुशवाहा की फ्छट को 8-8 सीटें आवंटित करने का प्रस्ताव दिया गया है। ये दोनों दल अपने-अपने वोट बैंक (महादलित और कुशवाहा) पर प्रभाव रखते हैं। 8 सीटें दोनों छोटे सहयोगियों के लिए सम्मानजनक मानी जा रही हैं। यह समायोजन एनडीए के जातीय समीकरणों को साधने और हर वर्ग के मतदाताओं को अपने पाले में लाने की रणनीति का हिस्सा है। इस फॉमूर्ले के औपचारिक ऐलान के बाद एनडीए अब पूरी ताकत से चुनावी मैदान में उतरेगा।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बिहार चुनाव को चुनावों की जननी बताया, भाजपा बोलीं- एनडीए की जीत पक्की

(जीएनएस)।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने आज बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। 243 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इन चुनावों में 7.42 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 3.92 करोड़ पुरुष और 3.5 करोड़ महिला मतदाता शामिल हैं। इनमें 14 लाख पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाता हैं।

चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने इन चुनावों को "चुनावों की जननी" बताया है, उनका मानना है कि ये चुनाव देश के लिए एक मिसाल कायम करेंगे और लोकतंत्र की शक्ति का प्रमाण होंगे, जिससे पूरे राष्ट्र में एक नया संदेश जाएगा।

वहीं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विश्वास व्यक्त किया है कि एनडीए दो-तिहाई बहुमत से जीत हासिल करेगा। उन्होंने राहुल गांधी पर "एसआईआर प्रक्रिया में हिट-एंड-रन" का आरोप लगाते हुए उनकी आलोचना की और अफवाह फैलाने वालों पर भी निशाना साधा।

भाजपा बोलीं- हमें रिकॉर्ड संख्या में सीटें मिलेंगी

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम कहते हैं, "जब हम एनडीए की बात करते हैं, तो हम पूरी तरह से तैयार हैं...हम एक शानदार जीत की ओर बढ़ रहे हैं। मुझे लगता है कि हम एक ऐतिहासिक जीत दर्ज करेंगे और हमें रिकॉर्ड संख्या में सीटें मिलेंगी। तेजस्वी यादव बड़े-बड़े दावे करते हैं लेकिन उन्हें पता है कि उनकी पहुँच सीमित है। हमारा गठबंधन पूर्ण है, सभी सहयोगी मजबूत हैं। हमें लोगों का आशीर्वाद और समर्थन प्राप्त है...महागठबंधन में, कांग्रेस राजद को कमजोर करती है और उन्हें नुकसान का सामना करना पड़ेगा।"

लोकतंत्र की जननी वैशाली इसी धरती पर है...

केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने चुनाव की तारीखों के ऐलान पर कहा लोकतंत्र की जननी वैशाली, बिहार की इसी पावन धरती पर विराजमान है...बिहार के लोग अपने राजनीतिक ज्ञान के लिए जाने जाते हैं...1990 से 2005 तक जंगलराज में बूथ लूट होती थी, मतदाताओं को धमकाया और रोका जाता था। अब बिहार में ऐसा नहीं होगा...लोगों ने बिहार में विपक्षी दलों के सफाए की तारीख तय कर दी है..."

एलजेपी प्रवक्ता धीरेंद्र मुन्ना बोले- हमारी तैयारी है पूरी

एलजेपी प्रवक्ता धीरेंद्र मुन्ना ने चुनाव घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी ने सभी 243 सीटों के लिए तैयारी कर ली है। उन्होंने 2020 की स्थिति का जिक्र किया, जब पार्टी ने केवल 20-22 सीटों के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था।

उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम का तबाड़तोड़ एक्शन, 63 सेंपल लिए, क्या हुई कार्रवाई

(जीएनएस)।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत के मामले के बाद से देश भर में स्वास्थ्य महकमा अलर्ट मोड पर है। उत्तराखंड में भी स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफ.डी.ए.) की संयुक्त टीमें राज्य के सभी जिलों में मेडिकल स्टोर, थोक विक्रेताओं और अस्पतालों की औषधि दुकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही हैं।

अब तक 63 औषधियों के सैंपल एकत्र किए हैं, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशालाओं में भेजा गया है। विभाग का कहना है कि इन मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और किसी भी तरह की ढ़ील नहीं दी जाएगी। विभाग जल्द ही इसके खिलाफ बड़ा एक्शन लेने जा रहा है।

उत्तराखंड सरकार ने प्रतिबंधित कफ सिरप और संदिग्ध औषधियों के

खिलाफ प्रदेशभर में सघन अभियान छेड़ दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफ.डी.ए.) की संयुक्त टीमें राज्य के सभी जिलों में मेडिकल स्टोर, थोक विक्रेताओं और अस्पतालों की औषधि दुकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही हैं।

कार्रवाई हाल ही में राजस्थान और मध्य प्रदेश में खांसी की दवा (कफ सिरप) के सेवन से बच्चों की मौत की घटनाओं के बाद शुरू की गई है। उत्तराखंड सरकार ने इस मुद्दे को जनस्वास्थ्य से जुड़ा अत्यंत गंभीर मामला मानते हुए त्वरित कदम उठाए हैं।

ड्रग कंट्रोलर व अपर आयुक्त ऋऌअ ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि स्वास्थ्य सचिव एवं आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफ.डी.ए.) डॉ. आर. राजेश कुमार ने सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि भारत सरकार की एडवाइजरी को प्रदेश में तत्काल प्रभाव से लागू कराया जाए।

आयुक्त के निर्देशों के बाद एफ.डी.ए. की टीमों ने पूरे प्रदेश में एक साथ कार्रवाई करते हुए अब तक 63 औषधियों के सैंपल एकत्र किए हैं, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशालाओं में भेजा गया है।

सम्पादकीय

पाकिस्तान की तरफ से आतंकी गतिविधियां नहीं होंगी का आया घिसापिटा जवाब

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी की ओर से आपरेशन सिन्दूर के बारे में दिए गए इस बयान कि यदि पाकिस्तान की तरफ से फिर आतंकी हमला हुआ तो भूगोल बदल देंगे के जवाब में पाकिस्तान के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशन्स (आईएसपीआर) ने रविवार को जवाब दिया कि "यदि ऐसे हालात बने तो दोनों तरफ नुकसान होगा।"

दरअसल पाकिस्तान की तरफ से जवाब आना था और आया भी किन्तु जनरल द्विवेदी के उस बयान का जवाब नहीं आया जो उन्होंने भूगोल बदलने के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों का उल्लेख किया। मतलब यह कि पाकिस्तान भारत को छेड़ेगा तो भूगोल बदल जाएगा। छेड़ेगा का मतलब यह कि यदि वह भारत के किसी भी क्षेत्र में आतंकी हमला करके निदरेष नागरिकों का खून बहाएगा तो भारतीय सेना इसे पाक सेना द्वारा घोषित युद्ध माना जाएगा और इसके बाद भारत की तरफ से जो जवाब दिया जाएगा उसमें पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति छिन्न-भिन्न हो जाएगी। पाकिस्तान की सेना की तरफ से जो जवाब आया वह इस बात का नहीं आया कि पाकिस्तान की तरफ से आतंकी गतिविधियां नहीं होंगी बल्कि उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यदि भारत पाकिस्तान के आतंकी घटना के बाद उस पर हमला किया तो वह इस बात को अच्छी तरह समझ ले कि नुकसान उसका (भारत) का भी होगा। आईएसपीआर का बयान सेना का होता है और भारत के प्रति रक्षा एवं विदेश नीति का निर्धारण सेना प्रतिष्ठान ही करता है। इसका मतलब यह कि भारत की सेना प्रतिष्ठान और सरकार को यह समझ लेना चाहिए कि भारत के अंदर आतंक पैलाना उनकी हजार घाव देने की घोषित नीति से जुड़ा है जो राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का अहम हिस्सा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिह ने अभी दो दिन पहले ही पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए आगाह किया था कि सरव्रीक में किसी तरह का उसका दुःसाहस उसके लिए महंगा पड़ेगा। वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल एपी सिह ने भी पाकिस्तान को आगाह किया है कि वह किसी भी तरह की खुराफात करेगा तो उसको ऐसा जवाब मिलेगा जिसकी वह कल्पना भी नहीं किया होगा।

असल में बात यह है कि पाकिस्तान 1965, 1971, 1999 और 2025 के संघर्ष में हमेशा पहल की है और संयोग से हर युद्ध में शांति प्रस्ताव लेकर पहले दूसरे देश के पास जाता है फिर भारत नहीं मानता है तो सैन्य प्रतिष्ठान से गिड़गिड़ाता है और जब युद्ध विराम की शर्तो पर बात होती है तो बड़ी आसानी से भारत को आश्वासन भी दे देता है किन्तु ऐतिहासिक घटनाओं का आंकलन करें तो वह हमेशा समझौतों की शर्तो को ठेंगा दिखाता है। पाकिस्तान की सरकारें चूंकि वहां की जनता के बीच चुनी जाती हैं, इसलिए हकीकत वो जानती हैं लेकिन सेना को लगता है कि जब तक भारत से दुश्मनी का माहौल बना रहेगा तभी तक उसे बड़ा बजट मिलेगा अन्यथा सरकार उनकी सुविधाओं में कटौती कर देगी। यही कारण है पाकिस्तान में सरकार और पत्रकार या बुद्धिजीवी जो राग अलापते हैं उसे अव्यावहारिक साबित करने के लिए सेना अपने पैनल पर काम कर रहे आतंकी सरगनाओं को सव्रिय करके भारत के साथ नया पंगा शुरू करा देती है। परिणाम यह होता है कि संबंधों को सामान्य बनाने की परिस्थितियां बन ही नहीं पातीं। 2014 के पहले भारत सरकार पाकिस्तान से बातचीत करने का माहौल बनाती थी, पाकिस्तान के नेता भी निाति तिथि पर वार्ता की तैयारी करते थे किन्तु वार्ता तिथि के ठीक दो दिन पहले पाक सेना भारत के किसी भी क्षेत्र में हमला कर देती थी। भारत सरकार नाराज होती थी तो पाकिस्तान सरकार जवाब देती थी कि हमलावर 'नान स्टेट एक्टर' थे। मतलब यह कि हमला सरकार की किसी एजेंसी ने नहीं करवाया है, यह हमला करने वाले ऐसे गिरोह हैं जिनका नियंत्रण पाक सरकार का नहीं है। पाक सरकार यह अच्छी तरह जानती थी कि जो गिरोह भारत में हमले करते हैं उनको पूरा खर्च पाक सेना देती है और सेना को धन सरकार के बजट से ही आवंटित होता है। यह सही है कि पाक सरकार का यह धूर्ततापूर्ण व्यवहार सेना की गुंडागदा की वजह से विवशता के कारण ही करती थी किन्तु भारत सब वुछ जानने के बावजूद पाकिस्तान के साथ कठोरता से प्रतिव्रिया देने में

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल करेंगे मेहसाणा में वीजीआरसी का उद्घाटन, उत्तर गुजरात में जागेगा वैश्विक व्यापार और उद्यमिता का नया जोश

- उत्तर गुजरात के VGRC में जापान, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और नीदरलैंड सहित होगी वैश्विक भागीदारी
- "क्षेत्रीय आकांक्षा और वैश्विक महत्वाकांक्षा" का प्रेरणादायक मंच बनेगा उत्तर गुजरात का VGRC

गांधीनगर, 06 अक्टूबर : उत्तर गुजरात के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (VGRC) का आयोजन 9-10 अक्टूबर 2025 को मेहसाणा स्थित गणपत यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है। यह आयोजन उत्तर गुजरात की 'विकसित गुजरात – विकसित भारत @2047' की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इस भव्य सम्मेलन का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल करेंगे। इस अवसर पर भारत सरकार के माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव; इसरो के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन और भारतीय वायु सेना में ग्रुप कैप्टन व अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने वाले पहले भारतीय श्री शुभांशु शुक्ला की उपस्थिति रहेगी।

उद्घाटन समारोह से पूर्व माननीय मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य अतिथि वाइब्रेंट गुजरात रीजनल एग्ज़िबिशन का भ्रमण करेंगे, जहाँ विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी अत्याधुनिक नवाचार, उत्पाद और प्रौद्योगिकियाँ प्रदर्शित की जाएँगी। यह प्रदर्शनी नवाचार, उद्यमिता और निवेश की भावना का उत्सव होगी जिसमें नवोन्मेषक, उद्यमी, निवेशक, टरटए, स्टार्टअप्स, विदेशी खरीदार, बड़ी कंपनियाँ, सरकारी विभाग, सार्वजनिक उपक्रम और वैश्विक भागीदार एक ही मंच पर आएंगे। इस आयोजन का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल और सतत आर्थिक विकास के विजन को सशक्त गति प्रदान करना है।

उत्तर गुजरात के वीजीआरसी (VGRC) में अंतरराष्ट्रीय भागीदारी भी व्यापक स्तर पर देखने को मिलेगी, जिसमें साझेदार देशों के रूप में जापान, दक्षिण कोरिया और वियतनाम शामिल हैं। कृषि क्षेत्र से संबंधित विशेष सेमिनारों के लिए नीदरलैंड भी एक

साझेदार देश के रूप में जुड़ रहा है। इस आयोजन में विश्व बैंक, जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (JETRO), रूसी संघ के व्यापार प्रतिनिधिमंडल, इंडो-कैनेडियन बिजनेस चैंबर (ICBC) और यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (USISPF) जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं की भी भागीदारी रहेगी।

लगभग 18,000 वर्ग मीटर के विशाल प्रदर्शनी क्षेत्र में फैले इस ट्रेड शो में 400 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा लेंगे, जिनमें कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों के साथ-साथ टॉरेंट, वेलस्पन, एनएचपीसी, एनटीपीसी, कोसोल, सुजलोन, अवाडा, निरमा,आईनॉक्स, अदाणी, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन लिमिटेड और ओएनजीसी जैसी अग्रणी कॉर्पोरेट कंपनियाँ भी शामिल होंगी।

उभरते अवसरों और सतत नवाचारों को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से इस आयोजन में कृषि-तकनीक (Agri-Tech), ग्रीन एनर्जी और फूड-टेक जैसे क्षेत्रों के लिए विशेष पेविलियन स्थापित किए जाएंगे। इनमें सार्वजनिक उपक्रमों, एमएसएमई, कुटीर उद्योगों और ग्रामीण स्टार्टअप्स की भागीदारी होगी, जो भारत की उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र की विविधता को दशाएंगे।

भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय सहभागिता को ध्यान में रखते हुए, इस कॉन्फ्रेंस में जापान, दक्षिण कोरिया और वियतनाम के लिए विशेष अंतरराष्ट्रीय पेविलियनों की भी व्यवस्था की जाएगी, जो द्विपक्षीय व्यापार, निवेश साझेदारी और तकनीकी आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेंगे।

प्रदर्शनी के हिस्से के रूप में दूधसागर डेयरी, ओएनजीसी, वेस्टर्न रेलवे और मैककेन फूड्स जैसी संस्थाओं के सहयोग से वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम (VDP) भी आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य उद्योगों के बीच संबंधों को और मजबूत करना तथआ स्थानीय उद्यम विकास को प्रोत्साहित करना है। इसके अतिरिक्त, रिवर्स बायर-सेलर मीट (RBSM) में 17 देशों के 34 अंतरराष्ट्रीय खरीदार भाग लेंगे, जिससे व्यापार और व्यवसाय के नए अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान खरीदारों और स्थानीय विक्रेताओं के बीच निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए 500 से अधिक बैठकों की योजना बनाई गई है।

इसके साथ ही उद्यमी मेला का भी आयोजन किया जाएगा, जो उद्यमियों, मेंटर्स और संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण नेटवर्किंग मंच प्रदान करेगा। यह आयोजन संभावित उद्यमियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, नीतियों और पहलों के बारे में जागरूक करने के साथ नवाचार, उद्यम विकास और गुजरात के तेजी से बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है।

'हिंदू धर्म अंधविश्वास है', मुंबई में धर्मांतरण का रैकेट चला रहा अमेरिकी फौज का मेजर अरेस्ट

भिवंडी से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक प्रार्थना सभा के दौरान ग्रामीणों को ईसाई धर्म में परिवर्तित करने की कथित कोशिश के आरोप में एक अमेरिकी नागरिक जेम्स वॉटसन (58) और दो स्थानीय लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

"ईसाई बनों, बीमारियों से मिलेगी मुक्ति"

पुलिस के अनुसार, वॉटसन बिजनेस वीजा पर भारत आए थे, लेकिन वे इसका दुरुपयोग धार्मिक गतिविधियों के लिए कर रहे थे। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शिकायत में कहा गया है कि तीनों आरोपियों ने ग्रामीणों से कहा कि "हिंदू धर्म अंधविश्वास पर आधारित है" और दावा किया कि ईसाई धर्म अपनाने से उन्हें खुशी, समृद्धि और बीमारियों से मुक्ति मिल सकती है।

गिरफ्तार किए गए तीनों में 58 साल के अमेरिकी नागरिक जेम्स वॉटसन, जो वर्तमान में ठाणे में रह रहे थे, 42 साल के साईनाथ गणपति सरपे, जो पालघर के रहने वाले हैं और 35 साल के मनोज गोविंद कोल्हा, जो भिवंडी के चिंबीपाड़ा क्षेत्र के निवासी हैं, शामिल हैं।

कई धाराओं में गए अंदर

इन सभी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 299 और 302 (धार्मिक भावनाओं को आहत करने और जानबूझकर भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से किए गए कृत्यों के लिए), विदेशी अधिनियम (वीजा शर्तों का दुरुपयोग), और महाराष्ट्र अंधविश्वास विरोधी कानून, 2013 सहित कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

भिवंडी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक हर्षवर्धन बर्वे ने पुष्टि की कि "वॉटसन व्यवसाय वीजा पर भारत आए थे, लेकिन वे इसका उपयोग धार्मिक प्रचार के लिए कर रहे थे। मामले की जांच जारी है।"

माथे पर हाथ रख बीमारी ठीक करने का दावा

पुलिस के अनुसार, वॉटसन पर बच्चों को निशाना बनाने का भी आरोप है, क्योंकि वे उन्हें आसानी से बहका सकते थे। ग्रामीणों ने बताया कि प्रार्थना सभा के दौरान वॉटसन और उनके सहयोगियों ने पूछा कि क्या कोई बच्चा बीमार है, और फिर उन बच्चों के नाम लिखने के लिए एक नोटपैड रखा। बाद में वॉटसन ने कथित रूप से उनके माथे पर हाथ रखकर कहा कि वह उन्हें ठीक करने के लिए "दिव्य अनुष्ठान" कर रहे हैं।

अमेरिकी सेना में मेजर था वॉटसन?

इस घटना के बाद पुलिस ने वॉटसन पर अंधविश्वास विरोधी कानून के तहत अतिरिक्त आरोप भी लगाए हैं, क्योंकि इस कानून के तहत चमत्कारिक इलाज के दावे को अपराध माना गया है।

कुछ रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि वॉटसन अमेरिकी सेना में मेजर रह चुके हैं। उनके कई वीडियो क्लिप्स, जिनमें वे सेना की वर्दी पहने कैमरे से बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं, सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं।

बड़ी सभाएं करता था आयोजित

वॉटसन के अमेरिका के दक्षिण कैरोलिना में रहने की बात कही जा रही है, हालांकि इस दावे की पुष्टि अब तक नहीं हो सकी है। यह मामला तब सामने आया जब स्थानीय नागरिक रविनाथ भुरकुट ने शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि वॉटसन ने शुक्रवार शाम को मनोज कोल्हा के घर के बाहर एक प्रार्थना सभा आयोजित की थी, जिसमें लगभग 35 ग्रामीण शामिल हुए थे।

'प्रसाद की शराब पियो, बीमारी दूर होंगी'

पुलिस के अनुसार, उस सभा में वॉटसन और उनके सहयोगियों ने एक वाहन में लाई गई धार्मिक किताबों से पाठ किया और ईसाई धर्म का प्रचार करने लगे। जांचकताओं का कहना है कि उन्होंने ग्रामीणों से यह भी कहा कि बीमारियां दवाओं से नहीं बल्कि ईसाई प्रार्थनाओं और "प्रसाद" के रूप में दी जाने वाली शराब पीने से ठीक हो सकती हैं।

पुलिस ने वॉटसन के वाहन से धार्मिक किताबें, प्रचार सामग्री और अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। जांच अधिकारी अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या यह घटना पहली बार हुई है या यह किसी संगठित धर्मांतरण नेटवर्क का हिस्सा है।

महाराष्ट्र के स्थानीय संपर्कों की जांच

अधिकारियों ने यह भी बताया कि वॉटसन भिवंडी के दूरदराज के इलाकों में कई बार प्रार्थना सभाओं में शामिल होते रहे हैं, जबकि उनके पास व्यवसाय वीजा था। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि उन्होंने भारत में कितनी बार प्रवेश किया, कितने गांवों या लोगों को धर्मांतरण के लिए प्रभावित करने की कोशिश की, और महाराष्ट्र में उनके स्थानीय संपर्कों का नेटवर्क कितना बड़ा है।

जेल भेजा गया वॉटसन

फिलहाल, वॉटसन को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है और पुलिस उनसे आगे की पूछताछ कर रही है। जांच अधिकारियों का कहना है कि यदि यह किसी बड़े धर्मांतरण रैकेट का हिस्सा साबित हुआ, तो कई और गिरफ्तारियां संभव हैं।

क्या हो गया अगर मोहम्मद शमी हैं टीम से बाहर? घरेलू क्रिकेट से छाप रहे धड़ाधड़ पैसा, हैरान कर देगी नेटवर्थ

(जीएनएस)।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम इंडिया की घोषणा में मोहम्मद शमी का नाम नहीं था। इससे कयास यही लगाए जा रहे हैं कि शायद आने वाले समय में भी शमी को इतनी जल्दी टीम में जगह नहीं मिलने वाली है। 35 वर्षीय शमी को अन्य गेंदबाजों से टक्कर मिल रही है।

हालांकि शमी अपना काम कर रहे हैं। घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं और वापसी के लिए प्रयास भी कर रहे हैं। इस साल आईपीएल अच्छा नहीं जाने के बाद उनको इंग्लैंड दौरे के लिए टेस्ट टीम में भी जगह नहीं मिली। एशिया कप में भी वह बाहर थे और अब वनडे में भी नहीं हैं।

तीनो प्रारूप में टीम इंडिया से बाहर हो चुके इस तेज गेंदबाज ने कहा था कि मैं घरेलू क्रिकेट से वापसी करने का प्रयास करता रहूंगा। घरेलू क्रिकेट में भी शमी को अच्छी रकम मिलती है। अब रकम इस बात पर निर्भर करती है कि वह कितने मैचों में हिस्सा लेते हैं।

घरेलू क्रिकेट में मैच फीस बढ़ाने के बाद रकम अच्छी हुई है। रणजी या अन्य रेड बॉल क्रिकेट मैचों के लिए बोर्ड की तरफ से सीनियर प्लेयर्स को 600000 रुपये तक प्रतिदिन के मिलते हैं। शमी ने टीम इंडिया के लिए तीनों प्रारूप में खेला है, ऐसे में उनके लिए इतनी रकम तो बनती है। हालांकि 40 और 50 हजार का ब्रेकेट भी है लेकिन टॉप कैटेगरी में हैं, इस वजह से उनको रकम भी इतनी ही मिलेगी। सैयद मुश्ताक अली जैसे टी20 टूनार्मेंट में एक मैच के लिए 30000 रुपये है।

आय के सोर्स

BCCI अनुबंधः 5 करोड़ सालाना (A कैटेगरी)

टेस्ट मैचः 15 लाख प्रति मैच

वनडेः 6 लाख प्रति मैच

टी20 इंटरनेशनल मैचः 3 लाख प्रति मैच

आईपीएल फीसः 10 करोड़ (2025)

नेटवर्थ के मामले में मोहम्मद शमी किसी से कम नहीं हैं। उनकी अनुमानित नेटवर्थ अभी के हिसाब से 65 करोड़ तक बताई जाती है। मैचों और आईपीएल के अलावा वह ब्रांड्स से भी पैसा कमाते हैं। इसके अलावा उनके पास फार्म हाउस, लग्जरी कारें आदि भी हैं। शमी अभी एक्टिव क्रिकेटर हैं, इस वजह से उनकी नेटवर्थ में वृद्धि होने का अनुमान है।

'बंद करो अभिनेत्री जया बच्चन को गुस्सैल कहना'. कौन है ये एक्टर जिसने मिसेज बच्चन को बताया फरिश्ता?

(जीएनएस)।

अभिनेत्री जया बच्चन और सपा सांसद अक्सर अपने गुस्से की वजह से सोशल मीडिया पर ट्रोल होती रहती हैं। कभी वो भरी संसद में उपराष्ट्रपति से भिड़ जाती हैं तो कभी वो फोटो खिंचने वाले कैमरामैन को थप्पड़ मार देती हैं। उनकी छवि एक गुस्सैल और चिड़चड़ी महिला की बन गई और इसी वजह से वो लोगों के बीच आलोचनाओं के केंद्र में रहती हैं।

पर्दे पर उनकी निभाई भूमिकाएं आज भी लोगों को हंसाती और भावुक कर जाती हैं। अपने करियर में एक से एक संजिदा रोल करने वाली जया बच्चन की इमेज इस वक्त एक अकड़ू, क्रोधी और जिद्दी महिला की बन गई है, जो कि मीडिया को देखते ही भड़क जाती है लेकिन क्यों उन्हें इतना गुस्सा आता है? ये सवाल अक्सर लोग पूछते हैं।

हालांकि ट्रांसजेंडर अभिनेता सुशांत दिवगीकर, जिन्हें 'रानी कोहीनूर' के नाम से जाना जाता है, उन्होंने जो कुछ भी बॉलीवुड की इस दिग्गज अदाकारा के बारे में कहा है, उसे सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट लिखी है, जिसमें उन्होंने जया बच्चन के बारे में वो बातें बताई हैं, जिसे कोई आज तक नहीं जानता था।

जया बच्चन के खिलाफ बेरहमी से हो रही ट्रोलिंग

उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में जया बच्चन को एंजल बताते हुए लिखा कि 'कैसे उनकी सार्वजनिक छवि को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत समय से यह लिखना चाहती थी। अब जब मैं वापस अपने घर, आमची मुंबई आ गई हूं तो मेरे पास पूरा दिन खाली है, तो चलिए शुरू करते हैं। मैंने देखा है, और जैसे आप में से कई सोशल मीडिया पर सक्रिय लोग भी देख चुके होंगे, जया जी के खिलाफ बेरहमी से ट्रोलिंग की जा रही है, उन्हें गालियां दी जाती हैं।'

'जया बच्चन को जबरदस्ती बदनाम किया जा रहा'

'उनके बारे में एक झूठी कहानी बना दी गई है और यह देखकर बहुत बुरा लगता है कि जिन लोगों को उनके बारे में कुछ भी नहीं पता, वे भी उनके बारे में बहुत बुरी बातें कह रहे हैं।'

'जया बच्चन तो फरिश्ता हैं, जो चुपचाप अपना काम करती हैं'

'अरे जया बच्चन तो फरिश्ता हैं, जो कि चुपचाप समाज सेवा में लगी रहती हैं। सुशांत ने बताया कि मैं

पहली बार जया जी से तब मिली थीं जब मैं 14 साल की थीं। उस समय मैं अपने माता-पिता के एक ऐसे कार्यक्रम में मदद कर रही थीं, जो दिव्यांग और ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के लिए आयोजित किया गया था, मेरी मां ने बॉलीवुड के कई टॉप सितारों को उस वक्त चीफ- गेस्ट बनने और आर्थिक मदद के लिए फोन किया था लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया और उठाया तो मदद के लिए मना कर दिया।

लेकिन तब तीन एंजेल्स हमारी जिंदगी में आए, जिन्हें पूरा प्यार और सम्मान मिलना चाहिए, वो तीन फरिश्ते थे- रवीना टंडन, युवराज सिंह और जया बच्चन जी। इन लोगों ने उन बच्चों की मदद में कोई कसर नहीं छोड़ीं। इस आयोजन के बाद भी जया बच्चन मेरी मां के संपर्क में थीं और बच्चों की मदद के लिए कुछ ना कुछ करती रहती थीं, बस वो मेरी मां से कहती थीं कि 'इस बारे में मीडिया को पता नहीं लगना चाहिए।'

कूल और प्यारी महिला हैं

'वो कूल और प्यारी महिला हैं, जो कि खामोशी से अपना काम करती हैं, बिना जताए और बिना बताए, इसलिए ऐसी महिली की इज्जत करनी चाहिए ना कि आलोचना।' जुलाई 2014 में, उन्हें मिस्टर गे इंडिया 2014 का ताज जीता था। वो बिग बॉस 8 का भी हिस्सा रह चुके हैं। वो गोल्डन बजर जीतने वाली भारत की पहली ड्रैग क्वीन हैं।

दिवगीकर का जन्म गोवा के कोंकणी माता-पिता के घर हुआ।

उनके पिता, प्रदीप, भारतीय सीमा शुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग के सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त और ग्रेटर मुंबई एमेच्योर एक्वेटिक्स एसोसिएशन (GMAAA) के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं।

एशिया कप में अड़ने वाले पाकिस्तान की आईसीसी ने निकाली हेकड़ी, डंके की चोट पर की खिलाड़ी पर कार्रवाई

(जीएनएस)।

एशिया कप के दौरान पाकिस्तान ने काफी हेकड़ी दिखाई थी। पीसीबी हेड मोहसिन नकवी भारत की जीती हुई ट्रॉफी चुराकर भाग गए थे। सिर्फ हाथ नहीं मिलाने पर पाकिस्तान ने कई तरह की घटिया हरकतें की थीं। इस बीच अब महिला वर्ल्ड कप में आईसीसी ने पाक की अकड़ निकालने का काम किया है।

भारत के खिलाफ रविवार को कोलंबो में समाप्त हुए मैच के बाद पाकिस्तानी क्रिकेटर पर कार्रवाई की गई है। भारतीय टीम ने इस मैच को आसानी से अपने नाम करते हुए पाक को मुंहतोड़ जवाब दिया। उसके बाद आईसीसी ने भी अपना काम कर दिया।

पाकिस्तान की बल्लेबाज सिदरा अमीन को मैच के दौरान ICC की आचार संहिता का उल्लंघन करने पर

आधिकारिक रूप से चेतावनी दी गई है। सिदरा ने भी अपनी गलती स्वीकार कर ली है, इस वजह से मामला आगे नहीं बढ़ा। पाकिस्तान को भी शायद पता चल गया होगा कि आईसीसी के सामने उनकी हरकतें नहीं चलने वाली हैं।

सिदरा अमीन ने क्या किया?

यह घटना उस समय हुई जब सिदरा अमीन 40वें ओवर में आउट होने के बाद गुस्से में आकर अपना बल्ला जोर से पिच पर मार बैठीं। उन्होंने अपना दोष स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी शांद्रे फ्रिट्ज द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को भी मान लिया, जिसके चलते किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

आउट होने से पहले सिदरा की बल्लेबाजी अच्छी रही। वह पाकिस्तान को अकेले ही लक्ष्य की तरफ खींचने का प्रयास कर रही थीं लेकिन सफलता नहीं मिली। वह 81 रनों के निजी स्कोर पर चलती बनीं। भारत ने इस मुकाबले में 88 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की।

ICC ने कहा कि सिदरा अमीन ने आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़े, ग्राउंड इक्विपमेंट या किसी भी स्थायी ढांचे के दुरुपयोग से जुड़ा है। चूंकि यह 24 महीनों में उनका पहला मामला था, इसलिए उन्हें लेवल 1 के उल्लंघन के तहत एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया।

बिहार चुनाव के साथ 7 राज्यों की इन 8 विधानसभा सीटों पर होगा उपचुनाव, जानें वोटिंग की तारीख

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि बिहार में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे। पहले चरण की वोटिंग 6 नवंबर और दूसरे चरण की वोटिंग 11 नवंबर को होगी। चुनाव परिणाम 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

चुनाव आयोग ने बिहार चुनाव की तारीखों के साथ 7 राज्यों की 8 विधानसभा सीटों के उपचुनाव की तारीखों की भी घोषणा कर दी है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और झारखंड सहित सात राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव 11 नवंबर 2025 को होंगे और चुनाव परिणाम 14 नवंबर 2025 को मतगणना के बाद घोषित किए जाएंगे।

बिहार के साथ-साथ जिन सात राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें जम्मू-कश्मीर की बड़गाम और नगरोटा सीट शामिल हैं। इसके अलावा, पंजाब की तरनतारन, झारखंड की घाटशिला, राजस्थान की अंता, तेलंगाना की जुबली हिल्स, मिजोरम की डम्पा और ओडिशा की नुआपाड़ा सीट पर भी चुनाव होंगे।

इन 8 सीटों पर क्यों करवाए जा रहे उपचुनाव?

उपचुनाव आमतौर पर तब होते हैं जब पांच साल के कार्यकाल के बीच कोई सीट किसी कारणवश खाली हो जाती है। इसके कारणों में किसी उम्मीदवार द्वारा दो जगहों से चुनाव लड़ना, त्यागपत्र देना, या पद पर रहते हुए निधन होना शामिल है। खाली सीट पर छह महीने के भीतर उपचुनाव कराने का नियम है।

बिहार में 7.42 करोड़ मतदाता चुनेगे नई सरकार

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने आज बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तारीखों की घोषणा करते हुए बताया 6 नवंबर को पहले चरण में पटना सहित मध्य और उत्तरी बिहार के 121 सीटों पर मतदान होगा। दूसरे चरण में पूर्णिया, दरभंगा और मधुबनी जैसे नेपाल सीमा से सटे जिलों सहित 122 सीटों पर वोट डाले जाएंगे।

उन्होंनें बताया 243 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इन चुनावों में 7.42 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 3.92 करोड़ पुरुष और 3.5 करोड़ महिला मतदाता शामिल हैं। इनमें 14 लाख पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाता हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर अपग्रेडेशन कार्य के कारण अहमदाबाद-दरभंगा स्पेशल परिवर्तित मार्ग से चलेगी

उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर 25 नवंबर, 2025 से 8 जनवरी, 2026 तक चल रहे अपग्रेडेशन कार्य के मद्देनजर अहमदाबाद-दरभंगा स्पेशल ट्रेन परिवर्तित मार्ग से चलेगी। विवरण इस प्रकार हैः-

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनः

- 28 नवंबर, 2025 से 02 जनवरी, 2026 तक यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09465 अहमदाबाद-दरभंगा स्पेशल परिवर्तित मार्ग वाया गुना-ग्वालियर-इटावा-कानपुर सेंट्रल स्टेशनों के रास्ते चलाई जायेगी।
- 01 दिसंबर, 2025 से 05 जनवरी, 2026 तक यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09466 दरभंगा-अहमदाबाद स्पेशल परिवर्तित मार्ग वाया कानपुर सेंट्रल-इटावा-ग्वालियर-गुना स्टेशनों के रास्ते चलाई जायेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

7 अप्रैल 2026 तक भुज-पालनपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस निरस्त

पश्चिम रेलवे द्वारा तकनीकी कारणों से भुज-पालनपुर-भुज इंटरसिटी एक्सप्रेस को अस्थाई तौर पर निरस्त किया गया है तथा गांधीधाम-पालनपुर-गांधीधाम एक्सप्रेस ट्रेन यथावत समयानुसार चलेगी। विवरण निम्नानुसार हैः

- ट्रेन संख्या 20928/20927 भुज-पालनपुर-भुज इंटरसिटी एक्सप्रेस 07 अप्रैल 2026 तक निरस्त रहेगी जबकि ट्रेन संख्या 19405/19406 गांधीधाम-पालनपुर-गांधीधाम एक्सप्रेस पूर्वत चलेगी।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.in का अवलोकन कर सकते है।

मिशन शक्ति के तहत एआरटीओ, टीआई के साथ मेडिकल छात्राओं ने चलाया अभियान

एआरटीओ ने बिना फिटनेस व परमिट शर्तों का उल्लंघन मिलने पर किया 1 अनाधिकृत बस सीज, दर्जनो चालान

(जीएनएस)।

बाराबंकी जनपद में मिशन शक्ति के अंतर्गत परिवहन, यातायात विभाग एवं मेडिकल की छात्राओं ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पाठ पढ़ाया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान भी किए गए। आज सोमवार को सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन अंकिता शुक्ला, यातायात प्रभारी रामयतन यादव की टीम ने जनपद के विभिन्न मार्गों पर चेकिंग अभियान चलायो इस दौरान एआरटीओ शुक्ला ने

बिना फिटनेस व परमिट शर्तों का उल्लंघन मिलने पर 1 अनाधिकृत बस यूपी 42 बीटी 8168 को सीज कियो तथा अन्य अभियोग में दर्जनों चालान किऐ चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट एवं सीटबेल्ट के वाहन चलाते मिलने पर मेडिकल की छात्राओं ने रोड सेफ्टी नियमों की जानकारी देते हुए चालकों को जागरूक कियो एआरटीओ ने बताया कि यह अभियान प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम का हिस्सा है जिसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें समाज में अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर प्रदान करना है। जिसको लेकर आज मेडिकल की छात्राओं के साथ अभियान चलाकर वाहन चालकों को जागरूक किया गयो तथा प्रवर्तन की कार्यवाही की गई

देवा मेला-2025: डीएम ने सौंपी जिम्मेदारियां, व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश

8 से 17 अक्टूबर तक होगा हजरत वारिस अली शाह का ऐतिहासिक देवा मेला
डीएम शशांक त्रिपाठी ने कहा – 'समयबद्ध तरीके से करें दायित्वों का निर्वहन'
आरजे आमिर जिला ब्यूरो

बाराबंकी। आस्था, परंपरा और सद्भाव का प्रतीक देवा मेला-2025 अब अपने पूर्ण आयोजन की ओर बढ़ चुका है। देवा मेला 08 अक्टूबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस वार्षिक मेले को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियों का खाका तैयार कर लिया है। जिलाधिकारी एवं देवा मेला एवं प्रदर्शनी समिति के अध्यक्ष शशांक त्रिपाठी ने आदेश जारी कर सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट जिम्मेदारियां सौंप दीं, साथ ही मेले की सफलता के लिए टीम भावना से काम करने का आ'ान किया।

प्रत्येक व्यवस्था पर अधिकारी तैनात

डीएम द्वारा जारी आदेश के अनुसार, शांति-व्यवस्था, यातायात, पेयजल, सफाई, चिकित्सा, वीआईपी कैम्प, विद्युत आपूर्ति, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्मारिका प्रकाशन, प्रचार-प्रसार और मिशन शक्ति जैसे प्रमुख बिंदुओं की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों को सौंपी गई है। सभी नोडल और सहायक नोडल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। निर्देश दिया गया है कि मेले के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही पर प्रतिकूल कार्रवाई की जाएगी।

"टीम भावना से ही संभव होगी सफलता' — डीएम

डीएम शशांक त्रिपाठी ने कहा कि देवा मेला जिले की गौरवशाली परंपरा है, जो न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 'यह हम सभी के लिए एक पुनीत अवसर है। सभी अधिकारी समयबद्ध और जिम्मेदारीपूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करें। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यही हमारी प्राथमिकता है।

देवा में रोजाना होगी समीक्षा बैठक

स्वच्छता, जलापूर्ति और विद्युत जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए समितियों को निर्देश दिया गया है कि वे मेला प्रारंभ होने से तीन दिन पूर्व से लेकर समापन तक देवा में प्रतिदिन बैठक करें और किसी भी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, यदि किसी समिति को अतिरिक्त जनशक्ति या संसाधन की आवश्यकता हो, तो वे उचित प्रस्ताव जिलाधिकारी को भेज सकेंगे।

प्रशासन मैदान में, जनता को भरोसा

मेले की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने साफ कर दिया है कि इस बार कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। सुरक्षा से लेकर सफाई तक, हर व्यवस्था पर जिला प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। अधिकारी स्वयं स्थल पर उपस्थित रहकर कार्यों की समीक्षा करेंगे ताकि इस वर्ष का देवा मेला यादगार और निर्विघ्न संपन्न हो सके।

अरसियाबोझ में कोटेदार पर लगे घटतौली, कालाबाजारी एवं अभद्रता के आरोप, एसडीएम नागेंद्र पांडे करेंगे प्रकरण की जांच।

पीलीभीत जिले के विकासखंड बरखेड़ा के ग्राम अरसियाबोझ में राशन वितरण को लेकर एक गंभीर विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि कोटेदार तारावती और उनके परिवार के सदस्य राशन वितरण में गड़बड़ी कर रहे हैं। उन पर आरोप है कि वे प्रत्येक राशन कार्ड के मानक से 1 किलो राशन कम देते हैं। इसके अलावा, राशन की कालाबाजारी का भी गंभीर आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे उनके हक की राशन मिलना प्रभावित हो रहा है। 4 सितंबर 2025 को पीड़ित ग्रामीण जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह को एक प्रार्थना पत्र सौंपा।

इस पत्र में कोटेदार तारावती, उनके पति महेश कुमार और देवर दिनेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए गए।

ग्रामीणों ने बताया कि ये लोग राशन वितरण के दौरान कार्ड धारकों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं।

उन्होंने शारीरिक रूप से पीटने और गाली गलौज करने की शिकायत की।

ग्रामीणों ने और भी आरोप लगाए कि कोटेदार अपने पक्ष को सुरक्षित करने के लिए वितरण रजिस्टर में पहले ही फिंगरप्रिंट या हस्ताक्षर करवा लेते हैं।

जब अधिकारी शिकायत की जांच करने पहुंचते हैं, तो इन्हीं रजिस्टर की मदद से वे खुद को निर्दोष साबित करते हैं।

इस तरह जांच को प्रभावित कर मामला रफा-दफा करवा देते हैं।

कोटेदार और उनके परिजनों की मनमानी इतनी बढ़ गई है कि सभी लोग उनके खिलाफ हो गए हैं। कई ग्रामीण तो इतने परेशान हैं कि राशन लेने से इनकार कर चुके हैं।

वे दूसरे कोटेदार से राशन लेकर अपने परिवार की जरूरत पूरी कर रहे हैं।

इससे गांव में दोहरे राशन वितरण और अनियमितता की स्थिति बनी है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से निवेदन किया है कि इस कोटेदार का कोटा तत्काल निरस्त किया जाए।

और गांव में नई चयन प्रक्रिया द्वारा नया कोटेदार नियुक्त किया जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि इससे सभी को सही मात्रा में राशन मिलेगा।

और गांव में शांति और व्यवस्था बनी रहेगी।

जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने प्रकरण की जांच बीसलपुर के उपजिला अधिकारी नागेंद्र पांडे को सौंपी है। उपजिला अधिकारी जांच कर जल्द से जल्द रिपोर्ट देंगे।

कोटेदारों की मनमानी रोकने के लिए सिस्टम में सुधार आवश्यक हो गया है। इस मामले में जल्द कार्यवाही की उम्मीद की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि राशन वितरण की यह व्यवस्था गरीबों के लिए जीवनदायिनी है।

अगर राशन में कटौती होगी तो इनके परिवार प्रभावित होंगे।

यह समस्या सिर्फ अरसियाबोझ गांव की नहीं बल्कि कई अन्य गांवों की भी हो सकती है। इसलिए जागरूकता जरूरी है कि राशन वितरण पारदर्शी और सुचारू हो। सरकार को चाहिए कि वह ऐसे मामलों का कड़ाई से निपटारा करे। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होगी। और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीण भी प्रशासन से इसी उम्मीद में हैं कि उनका हक मिलेगा।

यह विवाद ग्राम पंचायत और ग्राम समाज में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। राशन वितरण की प्रक्रिया में सुधार से ही गरीबों को सही लाभ पहुंचेगा। कोटेदार और उनके परिजनों की मनमानी को रोकना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

यह मामला प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। उपजिला अधिकारी जांच कर रिपोर्ट जिला मजिस्ट्रेट को सौंपेंगे। फिर कार्रवाई की राह स्पष्ट होगी।

इसी कारण उन्होंने प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। यहां राशन वितरण का मामला न केवल आर्थिक है बल्कि सामाजिक शांति का भी सवाल है। ग्रामीणों का भरोसा है कि प्रशासन उचित कदम उठाएगा।

इससे गांव में संशय और तनाव की स्थिति खत्म होगी। इस विवाद में सरकारी सिस्टम की जवाबदेही और पारदर्शिता का भी परीक्षण हो रहा है।

सही राशन वितरण के बिना गरीबों की मुश्किलें बढ़ेंगी। इसलिए समस्या का समाधान जरूरी है।

यह मामला आम जनता की आवाज है, जो न्याय की मांग कर रही है।

जिलाधिकारी और संबंधित विभाग की सक्रियता से उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। उम्मीद की जाती है कि उपजिला अधिकारी की जांच निष्पक्ष होगी।

और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। इससे आगे राशन वितरण सिस्टम में सुधार होगा। गरीबों को उनके हक का राशन मिलेगा। इस घटना ने गांव में जनजागृति भी उत्पन्न की है।

श्री राम जानकी रोशनी कमेटी द्वारा महेवा दांडी में मेले का भव्य आयोजन किया गया

(जीएनएस)।

प्रयागराज महेवा दांडी में श्री राम जानकी रोशनी कमेटी द्वारा क्षेत्र के भव्य मेले का आयोजन कराया गया एवं मंच की व्यवस्था की गई इस मेले में महेवा क्षेत्र के सभी क्षेत्रवासियों ने ने बताया कि इस प्रकार का मेला विगत कई वर्षों से नहीं लग रहा था किंतु श्री राम जानकी रोशनी कमेटी एवं सांस्कृतिक मंच के सभी सदस्यों एवं महेवा क्षेत्र के व्यापारी भाइयों के कारण ही यह मेल पुर्नजागृत हो पाया इसके लिए सभी क्षेत्रवासियों ने कमेटी के सदस्यों को माल्यार्पण कर बहुत-बहुत धन्यवाद किया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रयागराज महापौर गणेश केसरवानी उपस्थित रहे एवं मंच पर प्रयागराज के कई सम्मानित जन एवं संतों का आगमन हुआ जैसे पंडित सौरभ कृष्ण शास्त्री श्री घनश्याम जी महाराज कृष्णा हॉस्पिटल के डायरेक्टर विनोद जायसवाल विशिष्ट अतिथियों में शामिल चित्रवंशम ग्रुप के डायरेक्टर एवं समाजसेवी प्रखर श्रीवास्तव दुवार्सा धाम मंडल के मंडल अध्यक्ष अतुल पांडे समाजसेवी आयुष प्रताप सिंह रेडी सिटी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर आयुष सिंह उपस्थित रहे महापौर गणेश केसरवानी जी ने इतने भव्य मेले की आयोजन के लिए कमेटी के सभी सदस्यों की प्रशंसा की एवं उनका उत्साहवर्धन भी किया कमेटी के अध्यक्ष अधिवक्ता निखिल गुप्ता ने कहा कि इस मेले का पूरा श्रेय कमेटी के सभी सदस्यों जैसे कोषाध्यक्ष आर के टाइल्स वर्ल्ड के संस्थापक तरुण अग्रवाल मेला संचालक प्रिंस शुक्ला उपाध्यक्ष सत्यम पाल महामंत्री कार्तिकेय केसरवानी एवं मंच संचालक अमन शुक्ला को जाता है जिन्होंने इस मेले के प्रारंभ से लेकर पूर्ण होने तक अपना पूरा सहयोग किया साथी कमेटी ने आश्वासन भी दिया कि अगली बार का मेला इससे भी अधिक दिव्य और भव्य होगा'

भारतीय किसान यूनियन भानू ने थानाध्यक्ष मनोज कुमार गोतम पर भ्रष्टाचार और कानून के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाया

(जीएनएस)।

पीलीभीतः भारतीय किसान यूनियन भानू के जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश राजपूत ने पुलिस अधीक्षक पीलीभीत को लिखे पत्र में थानाध्यक्ष दरोगा मनोज कुमार गोतम पर भ्रष्टाचार फैलाने और कानूनों की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया है।

पत्र के अनुसार, 28 और 29 सितंबर 2025 को थाना बिलसंडा क्षेत्र के ग्राम कनपरी में दशहरा मेले के दौरान थानाध्यक्ष और उसके सिपाहियों ने ड्यूटी में लापरवाही बरती। मेले में एक दर्शक की बाइक चोरी हुई, पर पुलिस ने आवश्यक मेडिकल जांच नहीं कराई और मामले को दबाने की कोशिश की।

ओमप्रकाश ने आरोप लगाया है कि थानाध्यक्ष अवैध रेत खनन और पेड़ काटने में भी शामिल है तथा पंचायत अध्यक्ष और कार्यकताओं को धमकाया गया। पुलिस द्वारा फर्जी चालान बनाना और अवैध वसूली की भी शिकायत पत्र में शामिल है।

किसान यूनियन ने मामले की त्वरित और निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

यह मामला पीलीभीत के थाना बिलसंडा क्षेत्र का है और अब प्रशासन की जवाबदेही पर सबकी नजर है।

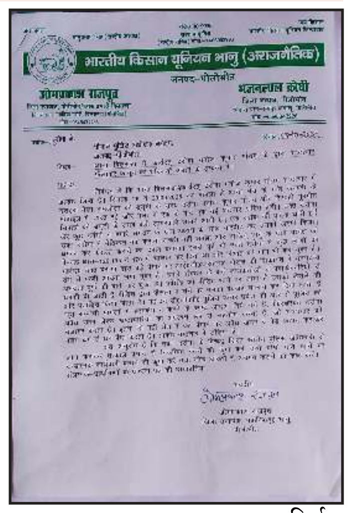
भारतीय किसान यूनियन भानु (अराजनैतिक)
ओमप्रकाश राजपूत

क्या प्रशासन इस बार कड़ा निर्णय लेगा?

सीजेआई गवई पर सुप्रीमकोर्ट में जूता फेंकने वाले वकील पर बार काउंसिल का चला चाबुक, अब नहीं कर पाएंगे ऐसा

(जीएनएस)।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय में 6 अक्‍टूबर 2025 (सोमवार) को एक हैरान कर देने वाली घटना घटी। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई पर एक वकील ने अदालत की कार्रवाही के दौरान जूता फेंका। सीजेआई गवई पर कथित तौर पर जूता फेंकने वाले अधिवक्ता राकेश किशोर के खिलाफ बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) ने कड़ा एक्शन लिया है।

बार काउंसिल ने अधिवक्ता राकेश किशोर का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। लाइसेंस रद्द किए जाने के बाद वो अब देश के किसी भी न्यायालय, न्यायाधिकरण या प्राधिकरण में पेश होने, कार्य करने या प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे।

अधिवक्ता राकेश किशोर पर अदालत की कार्यवाही के दौरान मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने का आरोप है। आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित रहने तक, उन्हें देश भर में किसी भी कानूनी प्राधिकरण में प्रैक्टिस करने से प्रतिबंधित किया गया है।

बार काउंसिल का आदेश तत्काल प्रभाव से किया गया लागू

इसके बाद बार काउंसिल एक कारण बताओ नोटिस जारी करेगा, जिसमें अधिवक्ता को आदेश मिलने के 15 दिनों के भीतर यह स्पष्टीकरण देना होगा कि उनका निलंबन क्यों जारी नहीं रहना चाहिए और उन पर आगे की कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। दिल्ली बार काउंसिल को इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्देश दिया गया है। इसमें अधिवक्ता का स्टेटस अपनी आधिकारिक सूची में अपडेट करना और अपने अधिकार क्षेत्र के सभी न्यायालयों और न्यायाधिकरणों को निलंबन के बारे में सूचित करना शामिल है।

कौन हैं ये अधिवक्ता राकेश किशोर?

सर्वोच्च न्यायालय के वकील रोहित पांडे ने पुष्टि की कि किशोर 2011 से बार एसोसिएशन के सदस्य हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि यह हमला मुख्य न्यायाधीश की पिछली टिप्पणियों की प्रतिक्रिया हो सकता है और उन्होंने इस कृत्य की निंदा करते हुए सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की। किशोर को उसी दिन बाद में दिल्ली पुलिस ने अदालत परिसर के भीतर से ही छोड़ दिया।

अधिवक्ता ने क्यों सीजेआई गवई पर क्यों फेंका जूता?

घटना सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय में तब हुई जब राकेश किशोर ने सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने का प्रयास किया। उन्हें अदालत से बाहर ले जाते समय किशोर ने चिल्लाकर कहा, "भारत सनातन धर्म के अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगा।"'

सीजेआई गवई ने मूर्ति संबंधी याचिका खारिज करते हुए की थी ये टिप्पणी

यह विवाद सितंबर महीने का है, जब मुख्य न्यायाधीश गवई ने मध्‍यप्रदेश में जावारी मंदिर में 7 फुट की क्षतिग्रस्त विष्णु मूर्ति की बहाली की याचिका को खारिज करते हुए टिप्पणी की थी, "यह विशुद्ध रूप से प्रचार-हित याचिका है। जाओ और स्वयं देवता से कुछ करने के लिए कहो। आप कहते हैं कि आप भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हैं। तो अब जाओ और प्रार्थना करो।" सुनवाई के दौरान उनकी "जाओ और स्वयं देवता से पूछो" वाली टिप्पणी के लिए सार्वजनिक और कानूनी बिरादरी से आलोचना का सामना करना पड़ा था।

मुख्य न्यायाधीश ने बाद में घटना की समीक्षा करने और प्रोटोकॉल उपायों का आकलन करने के लिए महासचिव और सुरक्षा कर्मियों सहित अदालत के अधिकारियों से मुलाकात की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फेंकी गई वस्तु न्यायमूर्ति चंद्रन को लगने से बाल-बाल बची। आरोपी के रूप में पहचाने गए अधिवक्ता किशोर ने बाद में स्वीकार किया कि यह कृत्य मुख्य न्यायाधीश के लिए था और उन्होंने न्यायमूर्ति चंद्रन से माफी मांगी।

भाकियू भानु के टीकाराम तहसील वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मंगली प्रसाद को बिलसंडा ब्लॉक अध्यक्ष की मिली जिम्मेदारी

पीलीभीत भारतीय किसान यूनियन भानु के जिला स्तरीय वरिष्ठ पदाधिकारियों के दिशा-निर्देश पर तहसील अध्यक्ष महेंद्र पाल गंगवार (पूर्व सैनिक) और जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश राजपूत ने टीकाराम को बीसलपुर तहसील का तहसील वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मंगली प्रसाद को बिलसंडा ब्लॉक अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। इस अवसर पर उन्हें औपचारिक नियुक्ति पत्र भी सौंपा गया। जिला उपाध्यक्ष ने कहा कि टीकाराम और मंगली प्रसाद की ईमानदारी, निष्ठा और किसानों एवं मजदूरों के हित में किए गए कार्यों को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौपी गई है भाकियू भानु के तहसील अध्यक्ष ने कहा कि उक्त दोनों पदाधिकारी पिछले कई महीनों से संगठन हित के कार्यों को पूरी ईमानदारी और लगन के साथ कार्य कर रहे थे। उनके कार्यों की सराहना करते हुए टीकाराम को तहसील वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मंगली प्रसाद को ब्लॉक अध्यक्ष के पद की जिम्मेदारी दी गई है। संगठन को विश्वास है कि वे अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ निभाएंगे। संगठन की ओर से उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दी गई हैं।

फर्जी रेप के मामले में वसूली का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

पीलीभीतःएक बड़े फजीर्वाड़े का पदार्फाश हुआ है, जहां झूठे रेप के आरोप में फंसाने और जबरदस्ती पैसा वसूलने का मामला सामने आया है। नरसिंहपुर स्टेशन गंज थाना अंतर्गत पुलिस ने रविवार को तीन आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ा, जिनमें एक महिला भी शामिल है।

यह आरोपी तथाकथित पीड़ित युवक को झूठे आरोप में फंसाने और धमकाने के बाद दो लाख रुपये की फिरौती मांग रहे थे। युवक की शिकायत पर पुलिस ने विशेष टीम बनाकर योजना तैयार की, जिसमें युवक को आरोपियों के पास पैसा देने भेजा गया।

जैसे ही आरोपी रुपये लेने पहुंचे, पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि आरोपी पूर्व में वार्ड पार्षद चुनाव हार चुके बूढ़े बीजेपी नेता भी इस गिरोह का हिस्सा हैं, जिनका वायरल वीडियो भी इंटरनेट पर है।

पुलिस ने आरोपी महिला सहित तीनों को जबरन वसूली व धमकी के मामले में गिरफ्तार किया है। वहीं, आरोपी अपनी पकड़ मजबूत करने और निकलने का प्रयास कर रहे थे।

पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि इस मामले में कठोर कार्रवाई की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

यह घटना न्याय व्यवस्था और जनमानस के बीच चिंता का विषय बन गई है। जनता से अपील की गई है कि ऐसी घटना के मामले में तुरंत पुलिस से संपर्क करें और किसी भी तरह के फजीर्वाड़े में न फंसे।

हजरतगंज क्षेत्र में दबंगों द्वारा युवक पर हमला असलहे से डराया-धमकाया ठाकुरगंज क्षेत्र के युवकों की करतूत

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एक बार फिर दिनदहाड़े गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। हजरतगंज थाना क्षेत्र में दो युवकों ने एक युवक पर हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, अमित पुत्र विश्वनाथ, निवासी लोधपुरवा बरफखाना, थाना ठाकुरगंज, पंजाब ऑटो लखनऊ में कार्यरत है। शाम करीब 4:30 बजे जब अमित अपने कार्यस्थल के पास खड़ा था, तभी संस्कार शुक्ला निवासी

झब्बन की बगिया और उसका साथी आर्यन पंडित निवासी निकट दौलत देवी इंटर कॉलेज, झब्बन की बगिया (दोनों ठाकुरगंज क्षेत्र के निवासी) मौके पर पहुंचे और अमित को माँ-बहन की गालियाँ देते हुए लात-घूसों व लोहे के कड़े से बुरी तरह पीट दिया। मारपीट में अमित के सिर पर गंभीर चोटे आई। पीड़ित का आरोप है कि आर्यन पंडित ने काले रंग का असलहा दिखाकर डराने-धमकाने की कोशिश की, जिससे वह मौके पर बेहोश होकर गिर पड़ा। घायल अमित किसी तरह सिविल अस्पताल पहुंचा, इलाज करवाया और घर लौटा। पीड़ित का आरोप है कि घटना के बाद दोनों आरोपी उसे झूठे छेड़छाड़ के मामले में फंसाने की धमकी दे रहे हैं।

हुसैनगंज पुलिस को मिली कामयाबी, शातिर ऑटो चोर गिरफ्तार, दो चोरी के ऑटो बरामद

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नर के दिशा-निर्देश में काम कर रही पुलिस ने कार्रवाई में शातिर ऑटो चोर गोलू रावत को गिरफ्तार किया है। हुसैनगंज पुलिस टीम ने चोरी हुए एक ऑटो (UP32 PN 9153) के साथ चोर को संयोग नगर से दबोचा। पूछताछ के आधार पर, उसकी निशानदेही पर एक और चोरी का ऑटो (UP33 CT 9448) उदयगंज से बरामद किया गया। थाना प्रभारी शिव मंगल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चोर को धर दबोचा कर भेजा सलाखों के पीछे।

उ.प्र. सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज 'काशी के कोतवाल' श्री काल भैरव जी के दर्शन-पूजन कर सभी के सुख-समृद्धि हेतु प्रार्थना की।

हिमांचल में 'टीम लखनऊ' का राहत अभियान जारी

सेना के सहयोग से अब तक 8 टन से अधिक राहत सामग्री आपदा पीड़ितों तक पहुंचाई गई हर जरूरतमंदों तक पहुंचेगी टीम

(जीएनएस)।

लखनऊ।हिमाचल प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों में 'टीम लखनऊ' का राहत अभियान जोर-शोर से जारी है। सेना के सहयोग से,यह टीम अब तक 8 टन से अधिक राहत सामग्री आपदा पीड़ितों तक पहुँचा चुकी है।

राहत अभियान के तहत टीम ने हाल ही में मंडी जिले के कई दुर्गम और आंतरिक गाँवों को चुना जहाँ मदद पहुँचाना चुनौतीपूर्ण था। इनमें स्यून, लडभड़ोल, सीमस, बादोर्तू, बशर, सौहार, आरिया, कुतर जैसे गाँव शामिल हैं।

टीम लखनऊ ने बड़े पैमाने पर

खाद्य सामग्री और दैनिक जरूरत की चीजों के साथ-साथ कई जरूरतमंद गरीब परिवारों को तिरपाल भी वितरित किए,जो उनके लिए अस्थाई छत का काम करेगा।इस मानवीय प्रयास में सूबेदार राजकुमार के साथ-साथ टीम लखनऊ के लीडर और सदस्य मुर्तजा अली,कुदरत उल्लाह खान,अब्दुल वहीद, जसबीर गांधी, इरफान शेख और शाहबाज खान सक्रिय रूप से शामिल रहे।

टीम लखनऊ के लीडर मुतुर्जा अली के कहा कि हर जरूरतमंदों तक टीम लखनऊ पहुंचेगी।

यह अभियान दशार्ता है कि टीम लखनऊ,स्थानीय लोगों और भारतीय सेना के सहयोग से,विपरीत परिस्थितियों में भी जरूरतमंदों तक मदद पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

"आरम्भ सपनों से मंज़िल तक" एम.डी ग्लोबल एजुकेशनल कंसल्टेंट का एक और सराहनीय कदम

(जीएनएस)।

हर व्यवसाय हर कारोबार हर काम में जो सबसे अलग कार्यशैली होती है, वो होती है डॉक्टर्स की कार्यशैली, जिनको सीधे सीधे धरती का भगवान भी कहा जाता है। उन धरती के भगवान को डॉक्टर बनाने के लिए जिनको भगवान चुनता है वो सच में बड़े भाग्यशाली होते हैं।

ऐसे ही कुछ भाग्यशाली बच्चों को पंख देने और उनके सपनों को पूरा करने का काम करते हैं,

एम.डी ग्लोबल एजुकेशनल कंसल्टेंट के

मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर अटल प्रताप सिंह और उनकी टीम।

2016 से शुरूआत करके डॉक्टर अटल प्रताप सिंह सैकड़ों बच्चों का भविष्य सुनिश्चित कर चुके हैं।

उसी क्रम में 5 अक्टूबर 25 को एम.डी ग्लोबल एजुकेशनल कंसल्टेंट और डॉक्टर अटल प्रताप सिंह ने हजरत गंज स्थित होटल "मेरियाड-टेकरीज इन" में बड़ी ही भव्यता के साथ "प्री-डिपार्चर एंड व्हाइट कोट सेरेमनी ऑफ फ्यूचर डॉक्टर्स" नामक कार्यक्रम आयोजित कराया,

जहां 50 उन प्रतिभाशाली बच्चों को एप्रेन पहना कर और स्टैथौस्कोप देकर सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुरूआत की गई, जिन बच्चों को भगवान ने धरती का भगवान बनाने के लिए चुना है, और जिनका एडमिशन विदेशों में हो चुका है।

सभागार में स्टूडेंट्स के साथ ही उनके अभिभावक भी उपस्थित थे सभी लोगों ने डॉक्टर अटल प्रताप सिंह तथा इनकी टीम को बधाई दी साथ ही बच्चों को ढ़ेरों मुबारकबाद देने के साथ साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

'पीसीएफ कोर्स' क्या है, जिसकी डिग्री पर बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को घेरा गया?

(जीएनएस)।

बिहार के उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता सम्राट चौधरी की पढ़ाई-लिखाई को लेकर इन दिनों चचाओं का बाजार गर्म है। दरअसल, अक्टूबर 2025 में, सम्राट चौधरी ने न्यूज 24 कॉन्क्लेव में आए थे। इस दौरान उनसे प्रशांत किशोर के आरोपों के बारे में पूछा गया। तब उन्होंने एक कोर्स का जिक्र किया। अब हर कोई इस कोर्स से जुड़ी डिटेल्स जानना चाह रहा है।

सम्राट चौधरी ने अपनी पढ़ाई-लिखाई पर बात करते हुए कहा, "मैंने अपने हलफनामे में विवरण दिया है। मैंने कामराज विश्वविद्यालय से पीएफसी कोर्स किया है।" उन्होंने कहा कि अगर किसी को भी संदेह हो, तो वे सीधे कामराज विश्वविद्यालय से विवरण की पुष्टि कर सकते हैं। अब सभी इस PFC कोर्स से जुड़े विवरण खोज रहे हैं।

सोशल मीडिया और इंटरनेट पर "PFC कोर्स" (PFC Course) शब्द की चर्चा तेज है। कई लोग इसे किसी खास डिग्री या यूनिवर्सिटी कोर्स मान

बैठ हैं, जबकि हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। आइए जानते हैं इस के बारे में विस्तार से...

MKU में "PFC" का क्या मतलब?

मदुरै कामराज विश्वविद्यालय (MKU) के नाम से जुड़ा "PFC कोर्स" (PFC Course) असल में कोई पाठ्यक्रम नहीं है। दरअसल, जब भी "PFC" शब्द की खोज की जाती है तो यह प्रोविजनल सर्टिफिकेट से जुड़ा होता है। यह सर्टिफिकेट उन छात्रों को दिया जाता है जिन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली है लेकिन अभी तक उन्हें मूल डिग्री सर्टिफिकेट नहीं मिला है।

क्या होता है प्रोविजनल सर्टिफिकेट?

प्रोविजनल सर्टिफिकेट एक आधिकारिक दस्तावेज होता है जो छात्र की पढ़ाई पूरी होने की पुष्टि करता है। यह तब तक मान्य रहता है जब तक विश्वविद्यालय छात्र को उसका असली डिग्री प्रमाणपत्र जारी नहीं कर देता। कई छात्र नौकरी या आगे की पढ़ाई के लिए आवेदन करते समय इसी सर्टिफिकेट का इस्तेमाल करते हैं।

प्री-फाउंडेशन कोर्स क्या है?

अक्सर "PFC" शब्द को लेकर भ्रम होता है। असल में शिक्षा जगत में "PFC" का मतलब प्री-फाउंडेशन कोर्स भी होता है। यह कोर्स खासतौर पर कक्षा 6 से 10 तक के छात्रों के लिए डिजाइन किया जाता है।

इस कोर्स का मकसद

भविष्य की तैयारी - यह छात्रों को आईआईटी-जेईई (IIT-JEE) और नीट (NEET) जैसी कठिन परीक्षाओं के लिए मजबूत आधार देता है।

मौलिक अवधारणाएं - इसमें गणित और विज्ञान के बेसिक कॉन्सेप्ट्स पर फोकस किया जाता है।

कौशल विकास - आलोचनात्मक सोच और समस्या हल करने की क्षमता को विकसित किया जाता है।

कैसे पढ़ाया जाता था?

प्री-फाउंडेशन कोर्स में छात्रों को स्ट्रक्चर्ड स्टडी मटीरियल, रेगुलर टेस्ट और गाइडेंस दिया जाता है। इसका फायदा यह होता है कि छात्र धीरे-धीरे स्कूल लेवल की पढ़ाई से निकलकर बड़े स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहज हो जाते हैं।

राहुल त्रिपाठी प्रदेश संगठन मंत्री व दानिश अंसारी जिला महामंत्री नियुक्त

(जीएनएस)।

बाराबंकीः सिक्योर जर्नलिस्ट जस्टिस कॉउन्सिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री योगेंद्र सिंह राणा की संस्तुति पर मान्यता प्राप्त पत्रकार राहुल त्रिपाठी जिला संवाददाता (ड ठी६२) को सिक्योर जर्नलिस्ट जस्टिस कॉउन्सिल का प्रदेश संगठन मंत्री उत्तरप्रदेश एवं दानिश अंसारी (जनतंत्र प्राइम भारत) को जिला महामंत्री बाराबंकी बनाया गया ।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों नवनिर्वाचित पदाधिकारी सिक्योर जर्नलिस्ट जस्टिस कॉउन्सिल में शहर से लेकर गांव के सभी पत्रकारों को जोड़ कर पत्रकार हित की रक्षा एवं उत्पीड़न की घटनाओं पर सदैव तत्पर रहेंगे।

इस उत्तरदायित्व के मिलने पर जिला महामंत्री दानिश अंसारी ने कहा कि सिक्योर जर्नलिस्ट जस्टिस कॉउन्सिल द्वारा जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है, उसका मैं सदैव निष्ठापूर्वक निर्वहन करुंगा। और जल्द ही पूरे उत्तरप्रदेश में संगठन को गति देकर सम्मानित पत्रकार बंधुओं को जोड़ने का कार्य किया जाएगा !

SECURE JOURNALIST JUSTICE COUNCIL

वहीं राहुल त्रिपाठी ने बताया कि पत्रकारों को कई गम्भीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जो उनकी स्वतंत्रता, सुरक्षा और आजीविका को प्रभावित करती है। ये समस्याएँ क्षेत्र के जटिल सामाजिक-राजनीतिक माहौल, सुरक्षा चुनौतियों और सरकारी नीतियों से जुड़ी है इन मुद्दों के समाधान के लिए स्वतंत्र पत्रकारिता को बढ़ावा देना, सुरक्षा सुनिश्चित करना और संचार सुविधाओं को बेहतर करना आवश्यक है।

आपको बताते चले कि पिछले डेढ़ दशक से जनपद बाराबंकी में पत्रकारिता क्षेत्र में सेवा दे रहे श्री राहुल त्रिपाठी पिछले 9 वर्षों से एक अन्य संगठन में प्रदेश सचिव पद पर एवं दानिश अंसारी जिला महामंत्री पद पर कार्य कर रहे थे लेकिन लगातार पत्रकार हितों की अनदेखी से आहत होकर संगठन को छोड़ा है तत्पश्चात बाद में विचार विमर्श करने पर उन्हें सिक्योर जर्नलिस्ट जस्टिस कॉउन्सिल को पत्रकारों के हित हेतु विचार को लेकर उन्होंने यह संगठन ज्वाइन किया । उनके मनोनयन पर जनपद के तमाम पत्रकारों ने हर्ष जताते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष के फैसले का स्वागत किया है ।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, पत्रकारों पर मुकदमा दर्ज करना अब आसान नहीं

(जीएनएस)।

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया जाना चाहिए। यह फैसला पत्रकार अभिषेक उपाध्याय की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए दिया गया है। क्या है पूरा मामला

पत्रकार अभिषेक उपाध्याय के खिलाफ यूपी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि पत्रकार को उसके विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 19(1) से सुरक्षित है।

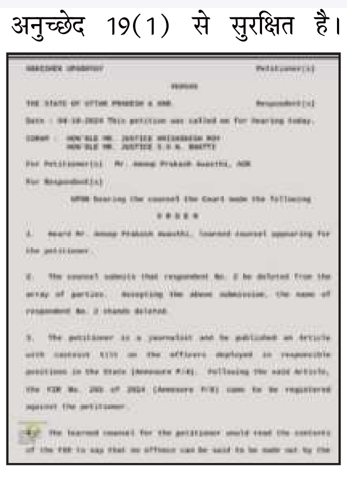

सुप्रीम कोर्ट का आदेश सरकार की आलोचना के लिए किसी पत्रकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं होना चाहिए। पत्रकारों को उनके विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता प्राप्त है। लोकतंत्र में मीडिया की स्वतंत्रता आवश्यक है, और सरकार की आलोचना को अपराध नहीं माना जा सकता पत्रकारों के लिए राहत

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को पत्रकारों की स्वतंत्रता के लिए एक बड़ी जीत माना जा रहा है। यह आदेश सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों के खिलाफ दायर मुकदमों पर रोक लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात की अविरत विकास यात्रा के सफल 24 वर्ष पूर्ण

राज्य की 24 वर्षों की संकल्प सिद्ध की गाथा को जन-जन के बीच उजागर करने के लिए 7 से 15 अक्टूबर तक विकास सप्ताह का शानदार आयोजन : प्रवक्ता मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल

विकास सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम :-

- मुख्यमंत्री, मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी लेंगे 'भारत विकास प्रतिज्ञा', साथ ही सरकारी कार्यालयों, स्कूल-कॉलेजों और ऑनलाइन माध्यम से भी ली जाएगी प्रतिज्ञा
- साबरमती रिवरफ्रंट में फ्लैगशिप योजनाओं की प्रदर्शनी
- ऑनलाइन क्विज और निबंध प्रतियोगिता, व्याख्यान माला, पदयात्रा तथा प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम- 'नमोत्सव' का आयोजन
- रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम
- 1 से 25 करोड़ रुपए तक के 3,326 करोड़ रुपए के कार्य

गांधीनगर, 06 अक्टूबर : प्रवक्ता मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल ने प्रेस वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। 7 अक्टूबर, 2001 से शुरू हुई गुजरात के विकास की अविरत यात्रा 7 अक्टूबर, 2025 को सफलतापूर्वक 24 वर्ष पूरे कर रही है।

इसके अंतर्गत, गुजरात की संकल्प सिद्धि की इस बहुआयामी विकास यात्रा और जनहितकारी सुशासन की गाथा को जन-जन के बीच उजागर करने के लिए 7 से 15 अक्टूबर के दौरान पूरे राज्य में हर्षोल्लास के साथ 'विकास सप्ताह' मनाया जाएगा।

प्रवक्ता मंत्री ने कहा कि इस विकास सप्ताह के दौरान कुल 10 विभागों की प्रत्यक्ष सहभागिता के साथ 13 विषयों को शामिल किया गया है और प्रत्येक दिवस को अलग-अलग थीम के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान युवा, महिला और किसान सहित राज्य के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करने का भी आयोजन किया गया है। इस आयोजन में लोगों को विकास कार्यों की जानकारी देने के साथ-साथ विकासात्मक कार्यों से लाभान्वित भी किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि इस वर्ष विकास सप्ताह के दौरान राज्य भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत विधानसभा प्रांगण में मुख्यमंत्री, मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में भारत विकास प्रतिज्ञा ली जाएगी। इसी समय, राज्य के 34 जिलों में भी कलेक्टर कार्यालय एवं अन्य सरकारी कार्यालयों, स्कूल-कॉलेजों में 'भारत विकास प्रतिज्ञा' ली जाएगी। इस प्रतिज्ञा को व्यापक स्वरूप पर ले जाने के लिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि माईगव पोर्टल पर बड़ी संख्या में ऑनलाइन प्रतिज्ञा ले सकें। इस कार्यक्रम के द्वारा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल विकास सप्ताह की औपचारिक शुरूआत करेंगे।

07-10-2025

युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम

प्रवक्ता मंत्री ने कहा कि 7 से 15 अक्टूबर के दौरान अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट में फ्लैगशिप योजनाओं की प्रदर्शनी, पूरे राज्य में ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन, स्कूलों और कॉलेजों में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन, व्याख्यान माला, महत्वपूर्ण स्थलों पर पदयात्रा, प्रतिदिन 'नमोत्सव' सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, क्रिकेटर हार्दिक पंड्या और तिलक वर्मा के साथ पॉडकास्ट, वडोदरा की महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में 1000 से अधिक छात्र भाग लेंगे, जहां विकसित भारत@2047 के संकल्प को पूर्ण करने के लिए युवाओं की सहभागिता विषय पर चिंतन-मंथन किया जाएगा। इसके अलावा, पूरे सप्ताह के दौरान 50 अन्य स्थानों पर भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आत्मनिर्भर भारत

प्रवक्ता मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए जीएसटी सुधारों और सहकारिता क्षेत्र को पहुंचाए गए लाभों के लिए सहकारी संस्थानों के सभासदों द्वारा प्रधानमंत्री को एक करोड़ से अधिक पोस्टकार्ड के जरिए श्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए 7 अक्टूबर को कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

प्रधानमंत्री के दूरदर्शी मार्गदर्शन में देश के विकास के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों से अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचे सामाजिक और आर्थिक लाभ तथा देश में आए बदलाव के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सहकारिता विभाग द्वारा 1 करोड़ से अधिक पोस्टकार्ड तैयार किए गए हैं। आत्मनिर्भर भारत, गर्व से कहो स्वदेशी है, आयुष्मान भारत, वित्तीय समावेशन, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) और सोलर रूफटॉप योजना तथा 22 सितंबर से लागू किए गए जीएसटी सुधार जैसे विभिन्न विषयों पर पोस्टकार्ड लिखे गए हैं।

उल्लेखनीय है कि डाक विभाग द्वारा प्रतिवर्ष 1.50 करोड़ पोस्टकार्ड छापे जाते हैं, जबकि केवल गुजरात में सहकारिता क्षेत्र एवं शिक्षा विभाग द्वारा बहुत ही अल्पकाल में 1 करोड़ से अधिक पोस्टकार्ड लिखे गए हैं, जो कि एक अभूतपूर्व उपलब्धि है।

स्मार्ट मीटर नहीं-स्पाई मीटरः पाकिस्तानी कनेक्शन से राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरा, उमंग सिंघार का तीखा प्रहार

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश में स्मार्ट मीटर परियोजना को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आज यहां प्रेस वार्ता में इसे "स्पाई मीटर" करार देते हुए गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि ये मीटर न केवल नागरिकों की गोपनीयता का उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि पाकिस्तानी नागरिकों से जुड़ी विदेशी कंपनियों के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा कर रहे हैं।

सिंघार ने अल्फानार जैसी कंपनियों के ठेकों, डेटा चोरी की आशंका और अडानी ग्रुप की हिस्सेदारी पर सवाल उठाते हुए राज्य सरकार और केंद्र से तत्काल जांच व पारदर्शिता की मांग की। यह आरोप ऐसे समय में आए हैं जब पूरे देश में

स्मार्ट मीटर स्थापना का लक्ष्य 25 करोड़ तक पहुंच चुका है, लेकिन मध्य प्रदेश में मात्र 18% काम पूरा हुआ है।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय स्मार्ट ग्रिड मिशन (NSGM) के तहत मार्च 2015 से स्मार्ट मीटरों की स्थापना शुरू हुई।

विद्युत विभाग के अधिकारी कर रहे अनुशासन हीनता व अपने पद का दुरुपयोग, खबरें प्रकाशित होने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं

पीलीभीत -विद्युत वितरण खंड बीसलपुर के दो दो अवर अभियंता चल रहे विवादित सुर्खियों में । दोनों अवर अभियंताओं पर संरक्षण के चलते न विभागीय कार्रवाई और ना ही पुलिस कार्यवाही । विद्युत उपकेंद्र बीसलपुर में तैनाद प्रमोद कुमार अवर अभियंता द्वारा बिल ठीक कराने आए उपभोक्ता के साथ अभद्रता करने एवं कार्यालय से भगाने के आरोप लगाए गए हैं । और वितरण उपकेंद्र बरखेड़ा में तैनात अवर अभियंता संत कुमार वर्मा पर 2 अक्टूबर को लाल बहादुर शास्त्री के स्थान पर सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाये जाने के तथ्य प्रकाश में आए हैं । दोनों घटनाओं की खबर प्रिंट मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से प्रकाशित की गई लेकिन दोनों अवर अभियंताओ को संरक्षण मिलने के कारण कोई भी कार्यवाही नहीं की गई जिससे जनमानस एवं सामाजिक संगठनों में भारी रोष फैलने की प्रबल संभावना है और प्रशासन की कार्यशाली व जवाब देही पर सवाल खड़े हो रहे हैं ।